ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 18-02-2022

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-02-18 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-02-19	2022-02-20	2022-02-21	2022-02-22	2022-02-23
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	22.0	21.0	20.0	19.0	20.0
न्यूनतम तापमान(से.)	5.0	4.0	4.0	3.0	4.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	50	60	60	70	75
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	25	40	35	35	40
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8.0	8.0	7.0	7.0	8.0
पवन दिशा (डिग्री)	25	30	45	45	30
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	0	0	2	4

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनों में मौसम साफ रहेगा। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 19.0 से 22.0 व 3.0 से 5.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा| हवा के 7.0-8.0 किमी/घंटे की गति से उत्तर-उत्तर-पूर्व व उत्तर-पूर्वदिशा से चलने का अनुमान है। ईआरएफएस के अनुसार, 23 फरवरी से 01 मार्च के दौरान राज्य में वर्षा, अधिकतम तथा न्यूनतम तापमान सामान्य रहने का अनुमान हैं।

सामान्य सलाहकार:

किसान भाई पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान और मौसम आधारित कृषि सलाह प्राप्त करने के लिए "मेघदूत ऐप" तथा आकाशीय बिजली के पूर्वानुमान हेतु "दामिनी एप" डाउनलोड करें। मेघदूत व दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ताओं) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ताओं) से डाउनलोड किया जा सकता है|

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनों में मौसम शुष्क रहेगा| किसान भाई खड़ी फसलों की नियमित देखभाल करें तथा किसी कीट अथवा व्याधि का प्रकोप पाये जाने पर नियंत्रण के लिए उचित उपाय करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	पर्वतीय क्षेत्रों में सिंचित दशा में बोई गई फसल में वर्षा न होने पर पुष्पावस्था में आने पर सिंचाई करें। गेहूँ में माहू का प्रकोप होने पर, थायोमेथेक्साम 25 डब्लू एस जी के 100 मिली/हैक्टर का या इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस एल के 140 मिली/ हैक्टर का 500-600 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। 15 दिन पर दूसरा छिड़काव करें। छिड़काव सुबह या शाम उस समय करें जबकि बारिश या तेज हवा नहीं चल रही हों।
सरसों	सरसों व राई में आवश्यकतानुसार दाना भरने की अवस्था पर सिंचाई अवश्य करें। सरसों में स्क्लेरोटिनिया सड़ांध दिखाई देने पर, संक्रमित पौधे को हटाकर जला दें और कार्बेन्डाजिम का 1 ग्राम/लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
चना	चना में फलीबेधक के नियंत्रण हेतु, इन्डोक्साकार्व 158 ईसी के 400-500 मिली/हैक्टर को 500-600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। फसल में फूल आने से पूर्व आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
बैंगन	सिंचित घाटी क्षेत्रों में बैंगन की बुवाई करें।

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
टमाटर	खेत में लगी टमाटर की फसल में, पछेती झुलसा का प्रकोप होने पर, मैनकोजेब 64% + सायमोक्सैनिल 8% डब्ल्यूपी का 2.5 ग्राम प्रति लीटर की दर से छिड़काव करें। अगर फसल के पौधों में, फूली हुई रोएदार वृद्धि जैसा, दिखाई दे तथा पौधे सूख रहे हो तो यह स्क्लेरोटिनियल सड़ान्घ है। अतः संक्रमित पौधे को हटाकर जला दें।
शिमला मिर्च	घाटियों में तैयार पौधालय में 1-1.5 किग्रा बीज/है0 की दर से इसकी बुवाई करें।
आलू	आलू में पछेती झुलसा का प्रकोप होने पर, मैनकोजेब 64% + सायमोक्सैनिल 8% डब्ल्यूपी का 2.5 ग्राम प्रति लीटर की दर से छिड़काव करें।
नींबू	सिट्रस के पौधे को फूल गिरने से रोकने के लिए उचित पोषण और सिंचाई दें। फलों को गिरने से रोकने के लिए, प्लेनोफिक्स का 0.75 मिली/लीटर की दर से प्रयोग करें। लगाया जा सकता है।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
बकरा	भेड़ व बकरियों में चेचक नामक बीमारी से बचाव हेतु भेड़/बकरी पाँक्स नामक टीका लगवायें।